रंग जायेंगे बाबोसा के रंग में भजन लिरिक्स

आया फ़ागुन रंग रंगीला,
अवसर है छैल छबीला,
रंग जायेंगे बाबोसा के रंग में,
होली खेले आओ री,
आज बाईसा के संग में,
आई आई आई आई,
होली आई रे,
बाबोसा के भक्तो की,
टोली आई रे।bd।

उड़ रहा रे गुलाल,
देखो आज गगन मे,
फ़ागुन की मस्ती छाई,
रे छाई है त्रिभुवन में,
भक्त सारे आज उमंग में,
होली खेले आओ री,
आज बाईसा के संग में,
आई आई आई आई,
होली आई रे,
बाबोसा के भक्तो की,
टोली आई रे।bd।

बाबोसा मंदिर में,
आज सारे भगत खड़े है,
रंग डालेंगे बाबोसा को,
जिद्द पे पर अड़े है,
भर पिचकारी केशर रंग में,
होली खेले आओ री,
आज बाईसा के संग में,
आई आई आई आई,
होली आई रे,
बाबोसा के भक्तो की,
टोली आई रे।bd।

बाबोसा के गोरे,
गाल पे रंग लगावां,
बाईसा जी ने रंग लगावां,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

म्हे रंग जावां,
'दिलबर' भक्ति के हम रंग में,
होली खेले आओ री,
आज बाईसा के संग में,
आई आई आई आई,
होली आई रे,
बाबोसा के भक्तो की,
टोली आई रे।bd।

आया फ़ागुन रंग रंगीला,
अवसर है छैल छबीला,
रंग जायेंगे बाबोसा के रंग में,
होली खेले आओ री,
आज बाईसा के संग में,
आई आई आई आई,
होली आई रे,
बाबोसा के भक्तो की,
टोली आई रे।bd।

गायिका – कविता राजवंश।
लेखक – दिलीप सिंह सिसोदिया 'दिलबर'।
नागदा जक्शन म.प्र. 9907023365

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com